Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

Long Term Memory

Long Term Memory से तात्पर्य ऐसे स्मृति-संचयन से होता है जिसमें सूचनाओं को काफी लम्बे अवधि के लिए व्यक्ति संचित रख पाता है। इस लम्बे अवधि की न्यूनतम समय-सीमा 20-30 से० अधिक तथा अधिकतम सीमा कुछ भी निश्चित नहीं है।

Morgan and King 1977 के अनुसार - LTM उसे कहते हैं; जिसमें सामग्री घंटों, दिनों, वर्षों या एक जीवन-काल के लिए संचित रहती है।

In long Term Memory, material is stored for hours, days, years or a life time - "Morgan and King"

Long Term Memory को अन्य कई नामों से जाना जाता है, जैसे, विलियम जेम्स ने इसे Secondary memory कहा है क्योंकि इस स्मृति में इस बात पर बल डाला जाता है कि सूचनाएँ इसे दूसरी संचयन क्षेत्र में पहुँचने के ~~लिए~~ पहले एक अन्य संचयन अवस्था से होकर निश्चित रूप से गुजरता है जिसे STM या Primary Memory भी कहा जाता है।

इसे Long Term Memory भी कहा जाता है क्योंकि LTM में Kांशों का दैहिक संचयन होता है। LTM में सूचनाएँ केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र में कुछ परिवर्तन लाती हैं और यही कारण है कि व्यक्ति उन्हें लम्बे समय तक याद रख पाता है। इन्हें Inactive memory भी कहा जाता है क्योंकि LTM में अधिकतर सूचनाएँ ऐसी होती हैं जिसे व्यक्ति वर्तमान समय में उपयोग में नहीं लाता रहता है।

LTM की कई विशेषतायें हैं जो निम्नलिखित हैं।

(i) इसका Duration अधिक होता है। इसकी सामग्री घंटों, दिनों या ~~वर्ष~~ वर्षों ठहर सकती है। कुछ सामग्री या सूचना जीवन भर संचित रह सकती है।

(ii) LTM की सूचनायें coded होती हैं, चूँकि इसमें रिहर्सल का अवसर मिलता है, इसलिए सूचनायें संगठित तथा सुसज्जित हो जाती हैं। इसी कारण, उनका सत्ताकाल बढ़ जाता है।

Scanned with CamScanner

(iii) LTM का विस्तार - अधिक होता है। इस सम्बन्ध में अनेक प्रयोगात्मक अध्ययन किये गये हैं, जिससे पता चलता है कि स्मृति - विस्तार - वास्तव में सामग्री - के स्वरूप पर निर्भर करता है। कूटबद्ध एवं संगठित सामग्रियों का स्मरण - विस्तार - अधिक होता है।

(iv) LTM में विस्मरण की संभावना कम होती है। यहाँ सूचनायें कूटबद्ध होती हैं; इसलिए वे आसानी से नष्ट नहीं होती हैं। रिहर्सल जितना ही अधिक होता है सूचनायें, उतनी ही अधिक स्थायी बन जाती हैं। अतः ऐसी सूचनाओं में बाधा के कारण विस्मरण की संभावना नहीं होती है।

(v) LTM में रिहर्सल का होना आवश्यक है। सच तो यह है कि रिहर्सल के कारण ही सूचनायें कूटबद्ध, संगठित एवं संचित हो पाती हैं।

Scanned with CamScanner